हमारी बहुमूल्य निधि यानी अपने बुद्धिमान बुज़ुर्गों की रक्षा

कैथी रोमन

आज मैं शॉपिंग के लिए लंबी कतार में खड़ी थी, इसलिए मैंने अपना फोन निकाला और फेसबुक पर लॉग-इन किया। मैं यह देखकर भयभीत हो उठी जब मेरे फीड में एक अच्छी-सी दिखने वाली बुज़ुर्ग महिला का हिडेन

कैमरा वीडियो दिखाया गया जिसमें उसे उसकी संस्था में देखभाल करने वाले एक व्यक्ति द्वारा पीटा जा रहा था और उसका उपहास उड़ाया जा रहा था।

मेरा दिल बैठ गया, और मैं शारीरिक और भावनात्मक रूप से अस्वस्थ महसूस करने लगी। नर्सिंग होम में और बाहर, हमारे बुज़ुर्गों के साथ ऐसा होता है इसके बारे में मैंने सुना था, लेकिन जब आप किसी वीडियो में इसे सचमुच घटित होते हुए देखते हैं तो यह बहुत अधिक यथार्थपूर्ण और भयावह लगता है। मैं घर आई, मैंने यूट्यूब खोला तथा और भी कई भयावह वीडियो देखे, लेकिन मैं उन्हें देखने का साहस नहीं जुटा सकी। मुझे लगा कि ऐसी घिनौनी घटनाएं अब खतरनाक स्तर तक पहुंच चुकी हैं। हम अब ज्यादा लंबी उम्र जी रहे हैं, इसलिए वयोवृद्ध लोगों की जनसंख्या बढ़ रही है, और राष्ट्रीय आंकड़े बताते हैं कि उनके साथ दुर्व्यवहार भी बढ़ रहा है - इसलिए मैं बुज़ुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के बारे में कुछ बुनियादी सवालों के जवाब खोजने लगी।

बुज़ुर्गों के साथ दुर्व्यवहार क्या है?

बुज़ुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को देखभाल करने वाले व्यक्ति या किसी अन्य रिश्तेदार द्वारा, जिससे भरोसे की उम्मीद की जाती है, जानबूझकर किए गए कार्य या कार्य करने में विफलता के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसके कारण किसी वृद्ध व्यक्ति, अर्थात 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति को, हानि पहुंचने का जोखिम उत्पन्न होता है।

वे किस प्रकार के लोग हैं जो बुज़ुर्गों पर ऐसी बर्बरता करते हैं?

बुज़ुर्गों के साथ दुर्व्यवहार और उपेक्षा के बारे में HelpGuide.org की रिपोर्ट के अनुसार:

वे देखभालकर्ता जो तनाव (लचीलेपन की कमी), अवसाद, मादक द्रव्यों के सेवन से निपटने में असमर्थ हैं, या जो किसी वृद्ध की देखभाल करने के कारण बोझ महसूस करते हैं, उनके द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने का खतरा सबसे अधिक होता है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है:

संस्थागत परिवेश में रह कर देखभाल करने वाले लोग इस स्तर के तनाव का अनुभव कर सकते हैं जो बुज़ुर्गों के साथ दुर्व्यवहार का कारण बन सकता है। नर्सिंग होम के कर्मचारियों के पास यदि प्रशिक्षण की कमी है, बहुत ज़्यादा ज़िम्मेदारियां हैं, वे देखभाल करने के लिए अनुपयुक्त हैं, या खराब परिस्थितियों में काम करते हैं तो वे बुज़ुर्गों के साथ दुर्व्यवहार करने की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

बुज़ुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के लक्षण क्या हैं?

बुज़ुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के सबसे सामान्य लक्षण हैं:

- चोट के निशान जिनके कारण के बारे में न बताया जाए, जैसे खरोंच, घाव या निशान, खासकर यदि वे शरीर के दो तरफ सममित रूप से दिखाई देते हैं
- टूटी हुई हड्डियाँ, मोच, या हड्डियों का खिसकना
- दवा की अधिक मात्रा या नियमित रूप से दवा ले पाने में प्रकट विफलता की रिपोर्ट
- टूटा हुआ चश्मा या फ्रेम
- अवरोध में रखे जाने के संकेत, जैसे कि कलाई पर रस्सी के निशान
- देखभालकर्ता द्वारा आपको बुज़ुर्ग से अकेले मिलने की अनुमति न देना

बुज़ुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की रोकथाम के लिए हम क्या कर सकते हैं?

कई संस्कृतियों में, बुज़ुर्गों को उनका उचित सम्मान प्राप्त होता है। दुर्भाग्य से, हमारे युवा-आसक्त समाज में, बुज़ुर्गों का अक्सर अनादर और यहां तक कि उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया जाता है।

चेतावनी के संकेतों पर नज़र रखके, और दुर्व्यवहार या उपेक्षा का संदेह होने पर हस्तक्षेप करके, हम सभी लोग समाधान का हिस्सा बन सकते हैं। आप वित्तीय दुर्व्यवहार, जैसे घोटाले, चोरी या प्रिस्क्रिप्शन दवा का दुरुपयोग देख सकते हैं। अगर आपको किसी दुर्व्यवहार का संदेह है तो निडर होकर उसकी रिपोर्ट करें। वरिष्ठ नागरिकों और उनकी देखभाल करने वालों की बात सुनें। उनसे यथासंभव जितनी बार हो सके मिलें और फोन करें। और अंत में, दूसरों को बुज़ुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की पहचान और उसकी रिपोर्ट करने के तरीकों के बारे में शिक्षित करें।

अब जबकि हमने बुज़ुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के स्पष्ट संकेतों पर चर्चा कर ली है तो आइए हम कुछ अधिक सूक्ष्म पहलुओं पर गौर करें। अनेक समाजों में, हम युवाओं के प्रति दीवानगी भरी पीढ़ी के लोग बन गए हैं और दूसरी ओर हमारे सबसे बहुमूल्य स्रोत, हमारे बुज़ुर्गों, की बहुत उपेक्षा की जाती है। अक्सर वृद्ध लोगों के विचारों को पुराना और घिसा-पिटा मान लिया जाता है। हो सकता है कि वे नवीनतम रुझानों से अवगत न हों या आपकी तरह iPhone का उपयोग करना न जानते हों, लेकिन उनके वर्षों के अनुभव ने उन्हें समझ, आत्म-साक्षात्कार, अंतर्दृष्टि और कड़ी मेहनत से अर्जित ज्ञान का खजाना दिया है:

यदि आत्मा स्वयं को इस भौतिक जगत से जोड़ती है तो वह अंधकारमय बनी रहती है, क्योंकि प्राकृतिक जगत में भ्रष्टाचार, आक्रामकता, अस्तित्व के लिए संघर्ष, लालच, अंधकार, अपराध और बुराई है। यदि आत्मा इस स्थिति में रहती है और इन्हीं रास्तों का अनुसरण करती है तो उसे अंधकार ही प्राप्त होगा; लेकिन यदि वह मानस-जगत की कृपाओं को प्राप्त करने वाली बन जाती है तो उसका अंधकार प्रकाश में, अत्याचार न्याय में, अज्ञान ज्ञान में, और आक्रमण प्रेमपूर्ण दयालुता में बदल जाएगा; जब तक कि वह अपनी चरम अवस्था तक न पहुंच जाए। तब अस्तित्व के लिए कोई संघर्ष नहीं रहेगा। मनुष्य अहंकार से मुक्त हो जाएगा; वह भौतिक जगत से बाहर निकल आएगा; वह न्याय और सदाचार का जीवंत रूप बन जाएगा, क्योंकि पवित्र आत्मा मानवता को प्रकाशित करती है और वह मानव जाति की प्रतिष्ठा है, जो मानव-सन्तानों को जीवन प्रदान करती है और सभी

देशों को पूर्ण एकता के पद को प्राप्त करने का हेतु बनती है। अतः, हम ऐसे व्यक्ति को "पवित्र आत्मा" का नाम दे सकते हैं। - अब्दुल-बहा , *'डिवाइन फिलोसॉफी'* पृष्ठ 120

सौभाग्य से, बहाई धर्म और साथ ही दुनिया भर की कई विवेकपूर्ण स्वदेशी संस्कृतियों में, बुज़ुर्गों को मूल्यवान और प्रतिष्ठित माना जाता है। ऐसे वातावरण में, युवा लोग उस बुद्धिमत्तापूर्ण मार्गदर्शन और करुणा के लिए बुज़ुर्गों की ओर देखते हैं जो केवल वर्षों के संयमित जीवन के अनुभव से ही मिल सकता है:

जब महान जीवन बुढ़ापे की तैयारी कर लेता है तो वह पतन को प्रकट नहीं करता, बल्कि अमरता के आरंभिक दिनों को। - म्यूरियल स्पार्क

झुर्रियां केवल यह बताती हैं कि मुस्कुराहटें कहां थीं। - मार्क ट्वेन

चूंकि हम सभी वृद्ध और बुज़ुर्ग हो रहे हैं, इसलिए हमें अपने प्रिय बुज़ुर्गों का सम्मान करना चाहिए, उन्हें महत्व देना चाहिए, उनकी देखभाल करनी चाहिए, जैसा कि हम भी एक दिन अपने साथ किए जाने की उम्मीद करते हैं, और याद रखें:

युवावस्था प्रकृति का उपहार है, लेकिन उम्र का बढ़ना एक कला का कार्य है। - जर्ज़ी लेक